A Message to Families in the U.S.

"मेरा परिवार एक बेहतरीन परीवार होता था जिसकी इच्छा कोई भी कर सकता है। हमारे बीच सारी चीजें बेहतरीन करीके से हुई। घर पर मेरे साथ और बच्चे तो थे नहीं फिर भी मैने वहाँ बहुत शकून के साथ अपने आपको घुलामिला लिया। मेरा उनके साथ एक गहरा रिस्ता बन गया और मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूँ।"

वैशनवी रवी- बंगलौर

बहुत से परिवार ऐसे थे जिन्हे इस बात का अंदाजा नहीं था कि वह गैर मुल्क के छात्रों को अपने घर में रखकर क्या हासिल करेंगे। साझेदारी और सीखना यह दोनों ही कुदरती अमल है। जब लोग रात में खाने की मेज पर बैठकर विभिन्न प्रकार के मुद्दों पर बहस करते हैं तो आपस में एक दूसरे के लिए दिलों के दरवाजे खुल जाते हैं। अतिथि का स्वागत करना किसी भी परिवार की एक अनोखी अनुभूति होती है और हर परिवार किसी न किसी की मेजबानी करता है जो जरूरी होती है। जिस परिवार में छात्र जाकर ठहरते हैं वह बच्चों को बिस्तर खाना और वहाँ के तौर तरिके आदि सिखाते हैं। जैसे कि वह अपने बच्चों को देते हैं।

"YES कहो और दुनिया में एक दूसरे को समझने के दरवाजे खोल दो। पूरा तजुरबा मेरे लिए एक नऐ पाठ की तरह था। मेरे मेजबान परिवार ने मेरी हर तरह से मदद की और मुझे काफी समय दिया। स्कूल में मुझे बहुत कुछ सीखने का मौका मिला। वहाँ के अध्यापक बहुत मेहरबान व दयालु थे।"

आलिया अकरम - नई दिल्ली

एक नई दुनिया बनायें:-

अध्यापक, माता-पिता, समाज सेवक, नौजवान कार्यरत बूढ़े हो या जवान, उन सबके पास कोई न कोई ऐसा तरीका मौजूद है जिस से दुनिया में एक दूसरे को समझने में मदद हासिल हो और एक दूसरे को भलि-भान्ति समझ सकें।

आप किस प्रकार शान्ति स्थापित कर सकते हैं और किस तरह इसमें हिस्सेदार बन सकते हैं जिसमें आप स्वयं को, परिवार को, अपनी कक्षा को और अपने दिल को किस प्रकार विदेशी छात्रों के साथ हिस्सेदार बना सकते हैं।

YES के बारे में पूरी जानकारी हासिल करें। हमारी वेबसाइट है -
www.yesprograms.org

http://www.afs.org.in india@afs.org

AFS Intercultural Programs India

AIFS Foundation Academic Year in America

PAX academic exchange

YES

"नौजवानों का आपस में एक्सचेंज और पढ़ाई का प्रोग्राम"

विश्व शांति की स्थापना और हाई-स्कूल
छात्रों की पढ़ाई और उनमे आत्मजागरूकता पैदा करने का प्रोग्राम

Youth Exchange and Study
YES

YES: Building Bridges of Understanding

"AFS के प्रोग्राम से मुझे परिवार और समाज में रहने का एक नया रास्ता मिला। मैने दूसरों की मदद करना, दूसरों का मान-सम्मान करना और अपने आप से सच्चा रहना सीखा।"

रईस रजा, नई दिल्ली

YES यानी Youth Exchange And Study प्रोग्राम एक अनोखा प्रोग्राम है। जिसमें हाई स्कूल के छात्रों का उनकी क्षमता और शिक्षा अनुसार प्रत्यार्पण होता है। इसका खर्चा यूनाइटेड स्टेट के ब्यूरो ऑफ एजुकेशनल एण्ड कलचरल अफ्फेयर्स डिपार्टमेन्ट उठाता है। 11 सितम्बर के बाद कांग्रेस ने इसकी आधी किस्त दी, जिससे छात्रों की विश्व में एक दूसरे को समझने का अवसर मिले, विशषकर मुस्लिम देशों में।

छात्रों के इस आदान-प्रदान में 15 से 18 वर्ष के छात्र होते हैं। उनको यूनाइटेड स्टेट के परिवार में रहने का एक अवसर दिया जाता है, जहाँ वे उस परिवार में एक सदस्य की हैसियत से रहते हैं। यह मौका एक वर्ष या एक समैस्टर वर्ष के लिए दिया जाता है।जिन देशों के छात्रों ने इस प्रोग्राम में भाग लिया है उनके नाम हैं - बरूनी, मिश्र, घाना, भारत, इन्डोनेशिया, मलेशिया, फिलिपिन्स, सऊदीअरब, थाईलैंड और तुर्की आदि।

YES के विश्व में जो प्रोग्राम चलते हैं उनमें तीन समीतियाँ मिलकर काम करती हैः- पहली - AFS यानी अमेरिकन फील्ड सर्विस दूसरी - AIFS यानी अमेरिकन इन्टीट्यूट फोर फोरेन स्टडीज फाऊण्डेशन तथा तीसरा - PAE यानी प्रोग्राम ऑफ एकेडेमिक एक्सचेंज। यह तीनों मिलकर अपने अनुभव को सामने रखकर प्रोग्राम बनाते हैं।

"विभिन्न प्रकार के कलचर के लोग एक जगह इकट्ठा होकर अध्ययन करने का अनूठा अनुभव है। मैने अपना सारा जीवन पुरे विश्व के लिए समर्पित कर दिया है। मैं जानती हूँ कि मैं भविष्य में कोई बदलाव नहीं ला सकती किन्तु फिलहाल तो मैं अपने आप में बदलाव जरूर ला सकती हूँ।"

शिरेषापारेख-अहमदाबाद

YES के छात्र शान्ति के दूतः-

इस प्रोग्राम में जिन छात्र-छात्राओं का चयन होता है वह लै के द्वारा प्रवेशिका परीक्षा (इन्ट्रेन्स टेस्ट) में बैठते हैं और इस मुकाबले की परीक्षा मेहमान देश में ही ली जाती है। तीन भागों में यह परीक्षा बांटी गई है। पहली- परीक्षा में एक लिखित दरख्वास्त, फिर इन्टरव्यू और तीसरे भाग में नेशनल सलेक्शन कमेटी के द्वारा उनकी इस्क्रीनिंग। जिन छात्रों का चयन हो जाता है उनको वजीफा देकर अमेरिका में पढ़ाई करने के लिए भेज दिया जाता है।

कौमी और पारिवारिक मैदान में भागीदारीः-

"मुझे एक बहुत अनोखा तजुरबा हासिल हुआ है। मेरे दो घर, दो खानदान हैं और विदेश के लोग भी मेरे अच्छे मित्र हैं। मुझे एक नई सभ्यता सीखने का मौका मिला और मैने अपने कलचर के बारे में भी वहाँ बताया।

निशा पटेल - बड़ौदा

जिन बच्चों को अमेरीका भेजा जाता है वह वहाँ किसी परिवार के साथ ठहरते हैं और अपनी हर चीज उस घर के लोगों के साथ शेयर करते हैं। स्कूल के प्रोग्रामों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेते हैं और समाज सेवा के कार्यों में हिस्सा लेते हैं। वह अमेरिकन समाज और उनके तौर तरीकों के बारे में सीखते हैं और अपने कलचर और तहजीब को वहाँ के लोगों तक पहुँचाते हैं। YES प्रोग्राम छात्रों में छिपे गुणों जैसे- लीडरशीप आदि को उजागर करती है। जब बच्चे वापस अपने घरों को आते हैं तो अमेरिका में गुजारे हुए लम्हों और वहाँ के तजुरबों को अपने घर वालों और दोस्तों को बताते हैं जिससे उस जगह के लोगों को अमेरिका के बारे में जानकारी हासिल होती है।

अमेरिकी कक्षाओं मे छात्रों की भागीदारीः-

हमारा जिला YES के द्वारा चुने गए छात्रों को बेहतरीन तरीके से स्वागत करता है। क्योंकि उनसे हमें शैक्षिक प्रोग्राम में बहुत मदद मिलती है। इन छात्रों की मौजूदगी की वजह से अमेरिकन इंस्टीट्यूट को अन्तर्राष्ट्रीय दोस्त बनाने में बहुत आसानी होती है उन्हें एक ऐसा मौका मिलता है कि वह बगैर अपनी जगह छोड़े सारी दुनिया घूम लेते हैं। हमारे अध्यापकों को भी अन्तर्राष्ट्रीय मामले को जानने का मौका मिलता है। उनकी दूसरे धर्मों को जानने और समझने में मदद मिलती है।

कलिफोर्ड फोरनियर स्कूल बोर्ड,चेयरमेन, राल्फ माहर रीजनल हाई स्कूल,मसाचसट

विदेशी शहरों में रहने के लिए इ नौजवानों को चाहिए कि वह दूसरे क सभ्यता एवं सांस्कृति के बारे में जान की कोशिश करें। इस प्रकार सब बेहतरीन तरीका शिक्षा हासिल करन और ज्ञान बढ़ाने का है। लेकिन बहु सारे अमेरिकी छात्र तो दूसरे अन्य देश में जाकर शिक्षा हासिल नहीं कर सक YES के इस प्रोग्राम के द्वारा ही उन घर बैठे पूरी दुनिया के बारे में जानका हासिल होती है।

YES के छात्र समाज सेवा के कामों में बहुत बेहतर साबित होते हैं। साथ ही उनक जानकारी भी हासिल होती है और वह इसमें बढ़ोतरी का काम भी करते हैं। क्योंकि विभिन्न देशों में घूमने से छात्रों को तरह-तरह के कलचर को देखने और समझने क मौका मिलता है। जिससे वह बहुत से मामलों और उलझनों को समझते हैं और सा ही उन्हें अमेरिकी कलचर के बारे में पूरी जानकारी भी हासिल हो जाती है।

www.yesprograms.org